>

Title: Need to speed up road construction and ensure adherence to traffic rules to curb road accidents in the country.

श्री गजानन ध. बाबर (मावल): सड़क हादसों में होने वाली मौतों की संख्या में वृद्धि के आंकड़े राष्ट्रीय चिंता का विषय है यह बेहद दुभाग्यपूर्ण और साथ ही असामान्य है। केवल राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के मार्गों में हर वर्ष एक लाख से अधिक लोग काल के क्रास में समा रहे हैं।

दुर्घटनाओं की भयावह स्थिति तब है जब भारत में अनेक विकसित और विकासशील देशों की तुलना में कहीं कम वाहन है। आम तौर पर सड़कों की खराब हालत, उनमें अतिक्रमण, ट्रैफिक नियमों के प्रति लापरवाही के कारण मार्ग दुर्घटनाएं होती हैं।

सड़क निर्माण के ठेकों में अनियमितता के मामले सामने आते ही रहते है। पर्याप्त संख्या में बाईपास ओवरब्रिज भी नहीं बन पा रहे हैं। जो काम महीनों में होने चाहिए वे वर्षों में और कभी-कभी तो दो-चार वर्षों में भी पूरे नहीं हो पा रहे हैं। देश में सड़कों का निर्माण अपेक्षित रफ्तार से नहीं हो रहा है। समस्या यह भी है कि कई राजमार्गों का निर्माण पूरा होते ही उनके पुनर्निमाण की जरूरत उभर आती है।

देश में एक ओर सड़क परिवहन जितना तेजी से बढ़ रहा है सुरक्षा मामलों के प्रति लापरवाही उतनी ही बढ़ती जा रही है। नए राजमार्गों पर थोड़ी-थोड़ी दूरी पर खड़े किए गए टोल टैक्स बैरियर प्रतिवर्ष लाखों लीटर ईंधन की बरबादी का कारण बन रहे हैं। टोल टैक्स वसूलने की विसंगतियों भरी नीति है।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को राज्य सरकारों के साथ मिलकर मार्ग दुर्घटनाओं को कम करने के लिए ठोस उपाय करें।